



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण).

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 5 फरवरी, 2005/16 माघ, 1926

हिमाचल प्रदेश सरकार

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग, चम्बा, जिला चम्बा (हि० प्र०)

अधिसूचना

चम्बा, 19 जनवरी, 2005

संख्या एफ० डी० एस०-चम्बा-05-आपूर्ति/2004-196-244.—इस कार्यालय द्वारा अधिसूचना संख्या एफ० डी० एस०-चम्बा-4131-66, दिनांक 17-12-2004 की निरन्तरता में तथा हिमाचल प्रदेश जमाखोरी एवं मुनाफाखोरी उन्मूलन आदेश, 1977 की धारा 3 (1) (ई) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, राहुल आनन्द, भा० प्र० से०, जिला दण्डाधिकारी, चम्बा, जिला चम्बा, आदेश जारी करता हूँ कि उपरोक्त अधिसूचना आगामी दो माह तक पूरे चम्बा जिला में लागू रहेगी।

राहुल आनन्द (भा० प्र० से०),  
जिला दण्डाधिकारी, चम्बा, जिला चम्बा (हि० प्र०)।

कार्यालय उपायुक्त चम्बा, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

चम्बा-176310, 2 फरवरी, 2005

क्रमांक "144/पंच.—चूंकि श्री धनदेव, प्रधान, ग्राम पंचायत किलोड, विकास खण्ड सलूणी, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश के विरुद्ध श्रीमती बालो देवी पत्नी श्री डूम राम, गांव जखराल, परगना किहार, तहसील सलूणी द्वारा दायर याचिका 1/2001, दिनांक 1-1-2001 को उप-मण्डलाधिकारी (नागरिक) चुराह के न्यायालय में दायर हुई। जिसका फैसला न्यायालय द्वारा 19-4-2004 को दिया गया। इस फैसले की नकल उप-मण्डलाधिकारी (नागरिक), चुराह के पत्र संख्या 842, दिनांक 21-6-2004 को इस कार्यालय में प्राप्त हुई, फैसले का संक्षिप्त ब्यौरा निम्न प्रकार से है :—

श्री धनदेव, प्रधान, ग्राम पंचायत किलोड ने अनुसूचित जनजाति का प्रमाण-पत्र जो तहसीलदार भरमौर द्वारा जारी किया गया था, नामांकन पत्र भरते समय स्टिफिंग अधिकारी ग्राम पंचायत किलोड को दिया था। वह तहसीलदार भरमौर द्वारा मुताबिक अभिलेख तहसील भरमौर जारी नहीं किया गया था जो क्रम संख्या-82 प्रमाण-पत्र में लिखी है उस क्रम संख्यानुसार प्रमाण-पत्र श्री विनय शर्मा पुत्र जगदीश, निवासी भरमौर को दिया गया है। अतः यह स्पष्ट है कि मुताबिक अभिलेख तहसील भरमौर के द्वारा श्री धनदेव को कोई प्रमाण-पत्र जारी नहीं किया गया था।

प्रधान, ग्राम पंचायत किलोड का पद अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवार के लिए आरक्षित था इसलिए श्री धनदेव, प्रधान, ग्राम पंचायत किलोड ने उक्त पद हेतु प्रमाण-पत्र 82 दिनांक 27-10-2000 जो कि अवैध तरीके से तहसीलदार भरमौर द्वारा जारी दर्शाया गया है। क्योंकि राजस्व अभिलेख जो न्यायालय में पेश किया श्री धनदेव पुत्र श्री मान सिंह, गांव किलोड का स्थाई निवासी है तथा ब्राह्मण जाति से सम्बन्ध रखता है। न्यायालय उप-मण्डलाधिकारी (नागरिक) चुराह ने उक्त प्रमाण-पत्र को अवैध करार दिया है तथा याचिक कर्ता की याचिका को सही ठहराया है। इस प्रकार श्री धनदेव, प्रधान, ग्राम पंचायत किलोड का पद पर बने रहना जनहित में नहीं है।

उपरोक्त के सन्दर्भ में इस कार्यालय के पत्र संख्या 577-74 दिनांक 7-2-2004 द्वारा श्री धनदेव, प्रधान, ग्राम पंचायत किलोड को कारण बताओ नोटिस दिया गया था। जिसका उत्तर उक्त प्रधान ग्राम पंचायत किलोड से इस कार्यालय में 26-7-2004 को प्राप्त हुआ। जिसमें उन्होंने यह लिखा था कि उक्त मामले की अभील उपायुक्त महोदय के न्यायालय में विचाराधीन है। इसलिए आगामी कार्यवाही अभील पर फैसला होने तक रोक दी गई थी। जब कि अब उपायुक्त महोदय के न्यायालय द्वारा केस नं० 7/सी० बी० ए०/04, दिनांक 20-7-2004 का फैसला दिनांक 28-12-2004 को दिया गया जिसके अन्तर्गत उप-मण्डलाधिकारी (नागरिक), चुराह के फैसले को बरकरार रखते हुए श्री धनदेव, प्रधान, ग्राम पंचायत किलोड की याचिका खारिज कर दी गई है।

अतः मैं, राहुल आनन्द (भा० प्र० से०), उपायुक्त, चम्बा, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश उन शक्तियों का प्रयोग करते हुए जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (2) (II) तथा धारा 131 (2) में प्रदत्त हैं के अन्तर्गत श्री धनदेव, प्रधान, ग्राम पंचायत किलोड को प्रधान पद के अयोग्य घोषित करता हूँ तथा प्रधान पद रिक्त घोषित करता हूँ। यदि उनके कब्जे में पंचायत का कोई अभिलेख, धन या अन्य सम्पत्ति है तो ऐसे अभिलेख, धन सम्पत्ति को पंचायत को सौंप दें।

राहुल आनन्द,  
उपायुक्त, चम्बा,  
जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश।

कार्यालय उपायुक्त शिमला जिला शिमला (हि० प्र०)

कार्यालय आदेश

शिमला, 17 जनवरी, 2005

संख्या पी०सी०एच०-एसएमएल(दो बच्चे)/2002-18274-280.—यह कि खण्ड विकास अधिकारी, चौपाल से प्राप्त सूचना अनुसार श्रीमती शारदा देवी, सदस्य, वार्ड नं० 6—जबना, ग्राम पंचायत ननहार, विकास खण्ड चौपाल, जिला शिमला ने अपनी तीन जीवित सन्तान के होते हुए दिनांक 8-6-2002 को चौथी सन्तान पैदा करके हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) (ण) की उल्लंघना की है। इस सम्बन्ध में उसे इस कार्यालय के पंजीकृत पत्र संख्या पीसीएच-एसएमएल (दो बच्चे)/2002-12366-370, दिनांक 29-11-2004 के अन्तर्गत जारी नोटिस अनुसार अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया था।

यह कि उक्त श्रीमती शारदा देवी, सदस्या, वार्ड नं० 6—जबना, ग्राम पंचायत ननहार, विकास खण्ड चौपाल ने इस कार्यालय द्वारा जारी उक्त नोटिस के सम्बन्ध में अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया है जबकि 15 दिनों की विहित अवधि भी समाप्त हो चुकी है। इससे स्पष्ट है कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, चौपाल की रिपोर्ट के अनुसार उक्त श्रीमती शारदा देवी, सदस्या, वार्ड नं० 6 जबना, ग्राम पंचायत ननहार, विकास खण्ड चौपाल की चौथी सन्तान उत्पन्न हुई है। जिससे स्पष्ट होता है कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) तथा हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 की धारा 19 द्वारा अन्तःस्थापित खण्ड (ण) की उल्लंघना करते हुए 8-6-2001 के पश्चात अर्थात् 8-6-2002 को चौथी सन्तान पैदा करके वह उक्त पंचायत सदस्या, वार्ड नं० 6—जबना, ग्राम पंचायत ननहार के सदस्य पद पर बने रहने के लिए निरहित हो गई है।

अतः मैं, एस०के०बी०एस० नेग्री, उपायुक्त, शिमला, हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(2) के अन्तर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की संशोधित धारा 122(1) (ण) की उल्लंघना करने पर श्रीमती शारदा देवी, पंचायत सदस्या, वार्ड नं० 6 जबना, ग्राम पंचायत ननहार को पंचायत सदस्य पद पर बने रहने के लिये आयोग्य घोषित करता हूँ तथा उक्त अधिनियम की धारा 131(2) के अन्तर्गत ग्राम पंचायत के वार्ड संख्या 6—जबना के सदस्य पद को रिक्त घोषित कर यह आदेश देता हूँ कि उसके पास ग्राम पंचायत की किसी भी प्रकार की कोई देनदारी हो तो उसे तुरन्त सम्बन्धित पंचायत सचिव अथवा पंचायत सहायक, ग्राम पंचायत ननहार को सौंप दें।

शिमला, 17 जनवरी, 2005

संख्या पी०सी०एच०-एसएमएल(दो बच्चे)/2002-18253-259.—यह कि खण्ड विकास अधिकारी, चौपाल से प्राप्त सूचना अनुसार श्री देवेन्द्र सिंह, सदस्य, वार्ड नं० 5 (बोहर), ग्राम पंचायत बोहर, विकास खण्ड चौपाल, जिला शिमला ने अपनी तीन जीवित सन्तान के होते हुए दिनांक 23-8-2001 को चौथी सन्तान पैदा करके हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) (ण) की उल्लंघना की है। इस सम्बन्ध में उसे इस कार्यालय के पंजीकृत पत्र संख्या पीसीएच-एसएमएल (दो बच्चे)/2002-12376-380, दिनांक 29-11-2004 के अन्तर्गत जारी नोटिस अनुसार अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया था।

यह कि श्री देवेन्द्र सिंह, सदस्य, वार्ड नं० 5 (बोहर), ग्राम पंचायत बोहर, विकास खण्ड चौपाल ने इस कार्यालय द्वारा जारी उक्त नोटिस के सम्बन्ध में अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया है जबकि 15 दिनों की विहित अवधि भी समाप्त हो चुकी है। इससे स्पष्ट है कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, चौपाल की रिपोर्ट अनुसार उक्त श्री देवेन्द्र सिंह, सदस्य, वार्ड नं० 5 (बोहर), ग्राम पंचायत बोहर, विकास खण्ड चौपाल की चौथी सन्तान उत्पन्न हुई है। जिससे स्पष्ट होता है कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) तथा हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 की धारा 19 द्वारा अन्तः स्थापित खण्ड (ण) की उल्लंघना करते हुए 8-6-2001 के पश्चात् अर्थात् 23-8-2001 को चौथी सन्तान पैदा करके वह उक्त पंचायत सदस्य वार्ड नं० 5 (बोहर) ग्राम पंचायत बोहर के सदस्य पद पर बने रहने के लिए निरहित हो गया है।

अतः मैं, एस० के० बी० एस० नेगी, उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला, हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (2) के अन्तर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुये, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की संशोधित धारा 122 (1) (ण) की उल्लंघना करने पर श्री देवेन्द्र सिंह, सदस्य, वार्ड नं० 5 (बोहर), ग्राम पंचायत सदस्य पद पर बने रहने के लिये अयोग्य घोषित करता हूँ तथा उक्त अधिनियम की धारा 131 (2) के अन्तर्गत पंचायत सदस्य वार्ड संख्या 5 (बोहर), ग्राम पंचायत बोहर के सदस्य पद को रिक्त घोषित कर यह आदेश देता हूँ कि उनके पास ग्राम पंचायत की किसी भी प्रकार की कोई देनदारी हो तो उसे तुरन्त सम्बन्धित पंचायत सचिव अथवा पंचायत सहायक, ग्राम पंचायत बोहर को सौंप दें।

शिमला, 17 जनवरी, 2005

संख्या पी० सी० एच०-एसएमएल (दो बच्चे)/2002-18246-252.—यह कि खण्ड विकास अधिकारी, चौपाल से प्राप्त सूचना अनुसार श्री राम लाल, सदस्य, वार्ड नं० 2 (टिककरी-I), ग्राम पंचायत खगना, विकास खण्ड चौपाल, जिला शिमला ने अपनी तीन जीवित सन्तान के होते हुए दिनांक 1-3-2003 को चौथी सन्तान पैदा करके हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) (ण) की उल्लंघना की है। इस सम्बन्ध में उसे इस कार्यालय के पंजीकृत पत्र संख्या पीसीएच-एसएमएल (दो बच्चे)/2002-12371-375, दिनांक 29-11-2004 के अन्तर्गत जारी नोटिस अनुसार अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया था।

यह कि उक्त श्री राम लाल, सदस्य, वार्ड नं० 2 (टिककरी-I), ग्राम पंचायत खगना, विकास खण्ड चौपाल ने इस कार्यालय द्वारा जारी उक्त नोटिस के सम्बन्ध में अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया है जबकि 15 दिनों की विहित अवधि भी समाप्त हो चुकी है। इससे स्पष्ट है कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, चौपाल की रिपोर्ट के अनुसार उक्त श्री राम लाल, सदस्य, वार्ड नं० 2 (टिककरी-I), ग्राम पंचायत खगना, विकास खण्ड चौपाल की चौथी सन्तान उत्पन्न हुई है। जिससे स्पष्ट होता है कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) तथा हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 की धारा 19 द्वारा अन्तः स्थापित खण्ड (ण) की उल्लंघना करते हुये 8-6-2001 के पश्चात् अर्थात् 1-3-2003 को चौथी सन्तान पैदा करके वह उक्त पंचायत सदस्य वार्ड नं० 2 (टिककरी-I), ग्राम पंचायत खगना के सदस्य पद पर बने रहने के लिए निरहित हो गया है।

अतः मैं, एस० के० बी० एस० नेगी, उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला, हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (2) के अन्तर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की संशोधित धारा 122 (1) (ण) की उल्लंघना करने पर श्री राम लाल पंचायत सदस्य, वार्ड नं० 2 (टिककरी-I) ग्राम पंचायत खगना को पंचायत सदस्य पद पर बने रहने के लिए अयोग्य घोषित करता हूँ तथा उक्त अधिनियम की धारा 131 (2) के अन्तर्गत पंचायत सदस्य वार्ड संख्या-2 (टिककरी-I), ग्राम पंचायत खगना के सदस्य पद को रिक्त घोषित कर यह आदेश देता हूँ कि उनके पास ग्राम पंचायत की किसी भी प्रकार की कोई देनदारी हो तो उसे तुरन्त सम्बन्धित पंचायत सचिव अथवा पंचायत सहायक, ग्राम पंचायत खगना को सौंप दें।

हस्ताक्षरित/-

एस० के० बी० एस० नेगी,

उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला (हि० प्र०)।